MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member Dr. Kalpana Saini: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Dr. Sumer Singh Solanki (Madhya Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Shrimati Ramilaben Becharbhai Bara (Gujarat), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Shri Naresh Bansal (Uttarakhand), Shri Ram Chander Jangra (Haryana), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shrimati Geeta alias Chandraprabha (Uttar Pradesh).

Smt. Ranjeet Ranjan - Concern over poor implementation of the Regional Connectivity Scheme (RCS)-UDAN (Ude Desh Ka Aam Nagrik).

Concern over poor implementation of the Regional Connectivity Scheme (RCS)-UDAN (Ude Desh Ka Aam Nagrik)

श्रीमती रंजीत रंजन (छत्तीसगढ़) : उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाना चाहती हूं। 'उड़ान' योजना 2016 में आपकी सरकार ने शुरू की थी। आम नागरिकों को कहा गया था - 'उड़ान' योजना, यानी 'उड़े देश का आम नागरिक', लेकिन अभी यह हो रहा है कि अंधाधुंध किराए बढ़ रहे हैं, विमान मालिकों की अपनी मनमानी चल रही है, मोनोपॉली चल रही है, कोई भी जवाबदेही नहीं है, बहुत सारे लोगों की बहुत तरीके की हरासमेंट हो रही है और कोई सुनने वाला नहीं है। सरकार ने घोषणा में यह कहा था कि हम बाटा की चप्पल पहनने वालों को विमान का सफर कराएंगे। बाटा की चप्पल सस्ती है। मैं सरकार को याद दिलाना चाहूंगी कि जो 20 रुपये की चाय है, वह चाय प्लेन में 200 रुपये की मिलती है। जब हमारी सरकार थी, मैं निश्चित रूप से कहूंगी कि हमने हवाई जहाज में 2,200 रुपये में भी सफर किया, 3,300 रुपये में भी सफर किया है। मैं बिजनेस क्लास का किराए के संबंध में 2022 का एक डेटा देना चाहती हूं। 2022 से दिल्ली-पटना का किराया लगभग तीन गुना बढ़ गया है और लगभग 15,000 हो गया है। अक्टूबर 2022 में एयर इंडिया की पुणे-दिल्ली की जो उड़ान है, उसमें इकोनॉमी क्लास का किराया 27,000 हो गया है। बिजनेस क्लास का जो किराया था, वह 24,000 था। इस तरह की बहुत सारी अन्य घटनाएं भी हैं। अभी रिसेंटली एक शुगर पेशेंट था, उसने प्री बुकिंग मील बुक करायी और वह बहुत डिले हुई। उसे बहुत ज्यादा हाइपरटेंशन हो गई और वह सीरियस हो गया। ऐसी बहुत सारी घटनाएं आई हैं। खराब फूड - खराब क्वालिटी का खाना परोसा जाता है। सीटों की क्वालिटी – कई बार टूटी सीट्स पर लोगों को बैठना पड़ता है। कई बार रनवे पर घंटों-घंटों तक प्लेन को खड़ा रखा जाता है। कई बार ए.सी. बंद हो जाते हैं और पैसेंजर्स वहां पर पसीने-पसीने हो रहे होते हैं। कई बार कई पैसेंजर्स को विमान से निकालना पड़ता है, क्योंकि उनकी तबीयत खराब हो जाती है। मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या इसकी कोई जवाबदेही तय होगी? आप किराया कम करने के बात कर रहे हैं। मैं आपको कुम्भ का एक एग्जाम्पल दूंगी। अपने 50 परसेंट का डिस्काउंट भी दिया, उसके बाद भी 30,000 से लेकर 1,00,000 तक वसूले जा रहे थे। मैं पूछना चाहती हूं कि यह किसकी उड़ान है? क्या यह विमान मालिकों की उड़ान है या आम नागरिकों की उड़ान है?

मैं सरकार से यह पूछना चाहती हूँ कि जो विमान मालिक हैं, उनकी कोई जवाबदेही तय होगी कि नहीं? साथ ही, मैं एक और चीज जोड़ना चाह रही हूँ कि हमारे players जाते हैं, except Cricket, बहुत सारे बच्चे जाते हैं, जो नेशनल खेल रहे होते हैं, स्टेट से जा रहे होते हैं। किराया ऑनलाइन दिखता है 4 हजार, लेकिन जब आप बुकिंग कराने जाइए, तो सीधे 4 हजार बढ़ जाता है। मैं यह पूछना चाहती हूँ कि क्या सरकार विमान मालिकों को सब्सिडी दे रही है? ...(**समय की घंटी**)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by hon. Member Shrimati Ranjeet Ranjan: Shri Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Saket Gokhale (West Bengal), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri Sant Balbir Singh (Punjab), Shri A. A. Rahim (Kerala), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Shri Neeraj Dangi (Rajasthan), Shrimati Rajani Ashokrao Patil (Maharashtra), Shri Ashok Singh (Madhya Pradesh), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu) and Shri Haris Beeran (Kerala).

Now, Shri Dhairyashil Mohan Patil - Demand to lift ban on POP idols imposed by the Central Pollution Control Board.

Demand to lift ban on PoP idols imposed by the Central Pollution Control Board

श्री धैर्यशील मोहन पाटिल (महाराष्ट्र) : आदरणीय उपसभापति महोदय, महाराष्ट्र में गणेश उत्सव बड़े भक्ति भाव से मनाया जाता है। इस राज्य में गणेश जी की लाखों मूर्तियाँ बनती हैं। ये न केवल पूजन के लिए उपयोग में आती हैं, बल्कि इनसे बहुत बड़ा रोजगार भी मिलता है। महाराष्ट्र में मूर्ति बनाने वालों के 20 हजार कारखाने हैं, जिनमें 2-3 लाख कलाकार/मूर्तिकार काम करते हैं। अब केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्ति पर प्रतिबंध लगाया है। इस निर्णय से कई हजारों-लाखों मेहनतकश मूर्तिकारों का रोजगार संकट में आया है।

उपसभापति महोदय, गणेश जी की मूर्ति मुख्य रूप से प्लास्टर ऑफ पेरिस से ही बनती है। यह वही प्लास्टर ऑफ पेरिस है, जिसे हम यहाँ दीवार पर प्लास्टर के लिए लगाते हैं। पीओपी से बनी हुई मूर्तियाँ अत्यंत सुगठित, सुंदर, मजबूत और यातायात करने के लिए बहुत ही हल्की होती हैं। उपसभापति महोदय, NPCB ने यह तर्क दिया है कि पीओपी की मूर्ति से प्रदूषण होता है, लेकिन कई वैज्ञानिक यह दावा करते हैं कि यहाँ पर बिल्कुल प्रदूषण नहीं होता है। पीओपी एक खनिज है, जो प्राकृतिक रूप में पाया जाता है, जिसे जिप्सम बोलते हैं। कृषि क्षेत्र में भू-सुधारक के रूप में भी इसका उपयोग होता है। अगर प्लास्टर ऑफ पेरिस से कुछ हद तक प्रदूषण होता भी है, तो प्रदूषण का नियंत्रण करना चाहिए, प्रतिबंध नहीं होना चाहिए। यहाँ पर पर्यावरण और रोजगार निर्माण के बीच balance बनाना बहुत जरूरी है। जब हम प्रगति की ओर बढ़ते हैं, तो कठिनाइयाँ तो आती हैं, लेकिन आधुनिकीकरण के उपायों से उसका उपचार करना चाहिए। उपसभापति